

20/12/24

पत्रावली पेश हुई। वहील प्रार्थी
अथवा प्रार्थी की ओर से कोई
भी-आश्चर्य नहीं है। बार-बार
आवाज लगावाइ गई। बावजूद
आवाज से भी कोई आश्चर्य
नहीं आया है। अतः प्रार्थी
का प्रार्थना पत्र अंक दाखिली से
रवाबीज लिखा जाता है। पत्रावली
प्रमल सुमार है।


~~सहायक कलेक्टर~~
लाहौर विभा-जीए (एल)